प्रादेषिक समाचार

आकाषवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 04.10.2024 समय : 18.30 पीएम

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा – आध्यात्मिकता के माध्यम से वैश्विक मुद्दों का भी समाधान संभव।
- श्रीमती मुर्मू ने मानगढ़ धाम में शहीदों को श्रंद्धाजलि दी–जनजातीय लोगों से बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की अपील की।
- देश में वर्ष 2023–24 में घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़कर एक लाख 27 हजार करोड़ रूपये से ऊपर पहुंचा।
- प्रदेश में इस मॉनसून में एसडीआरएफ की बचाव टीमों ने 600 से ज्यादा लोगों को बचाया।

000000

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि आध्यात्मिकता के माध्यम से न केवल व्यक्तिगत जीवन, बल्कि समाज और धरती मां से जुड़े कई मुद्दों का भी समाधान खोजा जा सकता है। वे आज आबू रोड स्थित ब्रह्मकुमारी संस्थान में स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिकता पर आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में अशांति व्याप्त है और मानवीय मूल्यों में गिरावट आ रही है। इन परिस्थितियों में शांति तथा एकता का महत्व और भी बढ़ गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि शांति की आवश्यकता केवल बाहरी तौर पर ही नहीं होती है, बल्कि मानव जीवन की गहराइयों में भी होती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभाव से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में हमारा कर्तव्य है कि हम इन चुनौतियों से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने सभी से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने की केन्द्र सरकार की मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि मनुष्य अपने अच्छे कर्मों और विचारों की पवित्रता से बेहतर इंसान बन सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अपने भीतर की पवित्रता के लिए भोजन की शुद्धता पर जोर दिया था। उन्होंने सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे स्वच्छ भोजन मिलेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि केन्द्र सरकार स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए कई प्रयास कर रही है। बाद में राष्ट्रपति ने बांसवाडा में मानगढ़ धाम पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने धाम पर हवन भी किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने वहां लगाये गये जनजाति उत्पादों के स्टॉल्स का अवलोकन भी किया। इस मौके पर राष्ट्रपति ने जनजाति समाज के लोगों का आव्हान किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षा से जोड़ें।

कार्यक्रम को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी संबोधित किया।

00000

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि वर्ष 2023–24 में भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन एक लाख 27 हजार करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है। वे आज नई दिल्ली में सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स–एसआईडीएम की 7वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार ने रक्षा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक के विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। रक्षा मंत्री ने आईडेक्स, प्रौद्योगिकी विकास कोष, अदिति योजना और मंत्रालय की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

00000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में पहले सौ दिनों में किये गये महत्वपूर्ण कामों के बारे में जानकारी देने के लिए आकाशवाणी जयपुर के प्रादेशिक समाचार बुलेटिनों में विशेष श्रृंखला चलाई जा रही है। आज हम आपको वन और पर्यावरण मंत्रालय द्वारा देश के शहरी इलाकों में हरियाली बढाने के लिये किये जा रहे कार्यो के बारे में बता रहे है।

0000

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार महिलाओं को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। वे आज जयपुर में लघु उद्योग भारती महिला संगठन की ओर से आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी स्वयं सिद्धा का उद्घाटन कर रही थी। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती की इस प्रदर्शनी में महिला हस्तशिल्पियों को मंच प्रदान कर सम्बल दिया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों की महिलाओं द्वारा तैयार दैनिक घरेलू उपयोग के सामान, सजावट के सामान, तथा अन्य कलात्मक उत्पादों का अवलोकन कर सराहा और महिला शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया।

प्रदर्शनी में देश के 6 राज्यों के शिल्पकारों, कुटीर उद्योग और महिला उद्योगों के उत्पादनों को प्रदर्शित किया गया है।

00000

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कल हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। प्रधानमंत्री ने इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं की सूची में शामिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भारत के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को संजोकर उसे मान्यता प्रदान करती है।

00000

प्रदेश में इस बार मॉनसून के दौरान एसडीआरएफ की बचाव टीमों ने 287 रेस्क्यू ऑपरेशन कर 606 व्यक्तियों को नदी नालों और पानी के तेज बहाव से सुरक्षित निकाला। एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिसाद बल की 51 रेस्क्यू टीमों ने इसके अलावा 235 मृत व्यक्तियों की शवों को बरामद कर प्रशासन के सुपुर्द किया। इस सत्र में रेस्क्यू टीमों ने 115 पशुओं को भी जीवित रेस्क्यू कर मानवता का परिचय दिया।

00000

पशुपालन निदेशक डॉ भवानी सिंह राठौड़ ने आज जयपुर जिले के दादिया पट्टी गांव में भेड़ बकरियों में पीपीआर रोग से बचाव के लिए टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ राठौड़ ने कहा कि पीपीआर विषाणुजनित एक खतरनाक बीमारी है, जो अक्सर भेड़ और बकरियों में पाई जाती है। इस बीमारी में संक्रमण के एक सप्ताह के भीतर पशु की मौत हो जाती है। इस बीमारी का संक्रमण होने पर पशुओं को तेज बुखार, आंख – नाक से पानी की तरह स्राव और सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। इस तरह के लक्षण दिखाई पड़ते ही पशुओं को तुरंत पशु चिकित्सक को दिखाना चाहिए। उन्होंने पशुपालकों से कहा कि टीकाकरण इसकी रोकथाम का प्रमुख उपाय है। इसलिए अपने पशुओं को पीपीआर का टीका जरूर लगवाएं। आज विश्व पशु कल्याण दिवस के अवसर पर पशुपालन निदेशक ने सभी ग्रामवासियों को जीव जंतुओं की रक्षा करने और प्रेम करुणा का भाव रखने की शपथ भी दिलाई।

उधर बाड़मेर ज़िले के राणी गांव में आज से खुरपका मुंहपका टीकाकरण अभियान की शुरूआत हुई। इस दौरान राणी गांव और हमीर सिंह नगर में आयोजित शिविरों में 68 पशुओं को टीके लगवाये गये। साथ ही पशुपालकों का ऑनलाइन पंजीकरण कर पशुओं के टैग लगाए गए। इस अभियान के तहत निम्बड़ी की एक गौशाला में 132 गोवंश का टीके लगाये गये।

00000

संसदीय कार्य, विधि और न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने आज जोधपुर में जनसुनवाई की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित आवश्यक कार्यवाही कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शिक्षा, सड़क, चिकित्सा, विद्युत, पेयजल आपूर्ति सहित आमजन से संबंधित अन्य समस्याओं की सुनवाई की गयी। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने समस्याओं से जिला कलेक्टर को लिखित में अवगत करवाया। जिला कलेक्टर ने प्राप्त प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए।

00000

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सालासर में बालाजी के दर्शन कर पूजा अर्चना की और देश में खुशहाली की कामना की। मंदिर पुजारी और हनुमान सेवा समिति ने उनका स्वागत किया। श्री धामी दर्शन के बाद वापस लौट गये।

00000